

नीरी के निदेशक को राष्ट्रीय 'विज्ञान श्री' पुरस्कार

नागपुर: सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्था (सीएसआईआर-नीरी) के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन को पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 2025 के 'विज्ञान श्री - राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार' के लिए चुना गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले शोधकर्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से यह सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया जाता है।

डॉ. मोहन की अद्वितीय शोध, ईमानदार प्रतिबद्धता और सतत पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। उनके अनुसंधान कार्यों ने सस्टेनेबिलिटी-ड्रिवन बायोइंजीनियरिंग और सर्कुलर बायोइकोनॉमी के माध्यम से पर्यावरणीय



डॉ. एस. वेंकट मोहन चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. मोहन का काम बायोरिफाइनरीज, कम कार्बन ऊर्जा और वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीक में अग्रणी रहा है, जिससे वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट और कार्बन डाइऑक्साइड बायोसिक्चेस्ट्रेशन में व्यावहारिक नवाचार संभव हुए हैं। उनके नाम 450 से अधिक शोध प्रकाशन दर्ज हैं। इसके अलावा, उनके 16 पेटेंट्स हैं और उन्होंने 42 पीएच.डी. विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है। हाल ही में उन्हें स्टेनफोर्ड विवि की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है। डॉ. मोहन को पहले भी शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, आईएनईई-एसआईआरबी अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलोशिप और डीबीटी-टाटा इनोवेशन फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके।

नीरीचे संचालक वेंकट मोहन यांना 'विज्ञान श्री' पुरस्कार

लोकमत न्यूज नेटवर्क



नागपूर :
सीएसआयआर-
राष्ट्रीय पर्यावरण
अभियांत्रिकी
संशोधन संस्था

(सीएसआयआर-नीरी)चे संचालक डॉ. एस. वेंकट मोहन यांना पर्यावरण विज्ञान व अभियांत्रिकी क्षेत्रातील उल्लेखनीय योगदानासाठी २०२५च्या 'विज्ञान श्री-राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारा'साठी निवडण्यात आले आहे.

विज्ञान आणि तंत्रज्ञान क्षेत्रात भरीव कामगिरी करणाऱ्या संशोधकांना केंद्र

सरकारतर्फे या सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान करण्यात येतो. डॉ. मोहन यांच्या अद्वितीय संशोधन, प्रामाणिक बांधिलकी आणि सतत पर्यावरणीय तंत्रज्ञानाला पुढे नेण्याचा प्रयत्नांचा गौरव म्हणून या पुरस्कारासाठी त्यांची निवड झाली आहे.

डॉ. मोहन यांच्या संशोधन कार्याने पर्यावरणीय आव्हानांना सस्टेनेबिलिटी-ड्रिव्हन बायोइंजिनिअरिंग आणि सर्फ्युलर बायोइकॉनोमीच्या माध्यमातून सोडवले आहे. बायोरिफायनरीज, कमी कार्बन ऊर्जा आणि वेस्ट-टू-वेलथ तंत्रज्ञान यातील त्यांच्या आघाडीच्या कामाने वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट आणि कार्बन

डाइऑक्साइड, बायोसिक्वेस्ट्रेशनमध्ये व्यावहारिक नवकल्पनांना मार्गदर्शन केले आहे. त्यांचे ४५०हून अधिक प्रकाशने आहे. १६ पेटंट्स त्यांच्या नावे असून, ४२ पीएच.डी विद्यार्थ्यांचे मार्गदर्शन केले आहे.

नुकताच त्यांचा जगातील २ टक्के वैज्ञानिकांमध्ये स्टॅनफोर्ड विद्यापीठातर्फे समावेश करण्यात आला आहे. त्यांना शांती स्वरूप भटनागर पुरस्कार, आयएनई-एसईआरबी अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोव्हेशन नॅशनल फेलोशिप आणि डीबीटी-टाटा इनोव्हेशन फेलोशिप यांसारखे पुरस्कारही मिळाले आहेत.

Dr Mohan to be conferred with 'Rashtriya Vigyan Puraskar-Vigyan Shri'

■ Staff Reporter



DR S VENKATA Mohan, Director, CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI), has been selected for the 'Rashtriya Vigyan Puraskar-Vigyan Shri' for the year 2025 in the field

of Environmental Science. This eminent national recognition is a richly deserved tribute to his outstanding contributions in science and technology, particularly in environmental science and engineering.

This esteemed award comprises a Medallion and a Sanad. Dr Mohan's research tackles environmental challenges through sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy approaches. His pioneering work on biorefineries, low-carbon energy, and waste-to-wealth technologies has yielded scalable innovations in wastewater treatment and CO₂ biosequestration.

With over 450 publications, 16 patents, and 42 PhD scholars, his globally recognised contributions have advanced environmental biotechnology. He has also received the Shanti Swarup Bhatnagar Prize, INAE-SERB Abdul Kalam Technology Innovation National Fellowship, and DBT-Tata Innovation Fellowship. His pioneering work continues to strengthen India's leadership in sustainable environmental research.

Neeri director Dr Venkata Mohan honoured with Rashtriya Vigyan Puraskar-Vigyan Shri 2025

Director of CSIR-Neeri, Nagpur, **Dr S Venkata Mohan**, has been conferred the prestigious Rashtriya Vigyan Puraskar-Vigyan Shri for 2025. The award, comprising a medallion and a sanad, recognises his outstanding **contributions to environmental science and engineering.**



Dr Mohan's research focuses on sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy solutions. He has pioneered innovations in biorefineries, low-carbon energy, and **waste-to-wealth** technologies, including scalable advancements in wastewater treatment and CO₂ biosequestration. With over **450** publications and **16** patents, his work has gained global recognition in environmental biotechnology.

An eminent scientist, Dr Mohan has also been the recipient of the Shanti Swarup Bhatnagar Prize, INAE-SERB Abdul Kalam Technology Innovation National Fellowship, and DBT-Tata Innovation Fellowship.